2. परस्पर जोड़ने वाले शब्द (connecting Links of Words)

अध्यापक को कक्षा मे पढ़ाते समय ऐसे शब्दों का चयन करना चाहिए जिनका आपस मे सम्बन्ध हो, इन्हें जोड़ने वाले शब्दों मे मुहावरे या कड़ियों या अन्य शब्द शामिल होते है। ऐसा करने से विद्यार्थियों मे जागरूकता व जिज्ञासा उत्पन्न होती है।

3. असम्बन्ध कथनों का अभाव (Lack of Irrelevant statement)

अध्यापक को कक्षा मे विषय-वस्तु को पढ़ाते समय पाठ से सम्बन्धित कथनों का ही चयन करना चाहिए, यदि ये कथन परस्पर असम्बन्धित होते है तो विद्यार्थी पाठ को गलत दिशा मे समझ लेते है।

4. भाषा मे धारा-प्रवाह (Fluency in Language)

अध्यापक को व्याख्या करते समय भाषा पर नियन्त्रण होना चाहिए अर्थात् उसकी भाषा मे उतार-चढ़ाव अवश्य होना चाहिए, ऐसा न होने की स्थिती मे कक्षा मे नीरसता उत्पन्न हो जाती है और विद्यार्थी पढ़ाई से मन चुराने लगता है।

5. उपयुक्त शब्दों का प्रयोग (Use of Proper words)

अध्यापक को व्याख्या में किसी वस्तु या घटना आदि के लिये उपयुक्त शब्दों का ही प्रयोग करना चाहिए अन्यथा असमंजस की स्थिति उत्पन्न होने लगती है।

6. निष्कर्षात्मक वाक्यों का प्रयोग (Use of Inferring statements)

अध्यापक को समस्त व्याख्या देने के पश्चात उससे सम्बन्धित निष्कर्ष प्रस्तुत करना चाहिए।

7. स्पष्ट प्रारम्भिक कथन (clear Beginning statement)

व्याख्या शुरु करने से पहले या शुरु करते समय अध्यापक स्पष्ट वाक्यों द्वारा यह बात विद्यार्थियों को बता दे कि अध्यापक क्या पढ़ाने वाला है।